भारत सरकार

संचार मंत्रालय

दूरसंचार विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. *125

उत्तर देने की तारीख 31 जुलाई, 2024

5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी

***125. श्री टी. आर. बालू:**

श्री सुखदेव भगत:

क्या **संचार मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि हाल ही में किया गया 5जी स्पेक्ट्रम का आवंटन उतना सफल और लाभप्रद नहीं रहा जितनी सरकार ने अपेक्षा की थी;

(ख) यदि हां, तो 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी से राजस्व की भारी हानि होने के क्या कारण हैं;

(ग) कुल स्पेक्ट्रम और दूरसंचार प्रचालकों द्वारा की गई वित्तीय प्रतिबद्धताओं सहित हाल ही में 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी का ब्यौरा क्या है;

(घ) नीलामी प्रक्रिया के दौरान दूरसंचार प्रचालकों को किन-किन विशिष्ट चुनौतियों का सामना करना पड़ा; और

(ड.) सरकार की उच्च आरक्षित मूल्यों और सीमित बोली लगाने संबंधी हित जैसे मुद्दों का समाधान किस प्रकार करने की योजना है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भावी नीलामियों में अधिक सहभागिता हो?

उत्तर

संचार एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री

(श्री ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया)

(क) से (ड.): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

"5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी" के संबंध में लोक सभा के दिनांक 31 जुलाई, 2024 के तारांकित प्रश्न संख्या *125 के भाग (क) से (ड.) के संबंध में लोक सभा के पटल पर रखा जाने वाला विवरण

(क) (ख) और (ग)

जी, नहीं। स्पेक्ट्रम नीलामी 2023-24 मुख्यत: 2024 में समाप्त होने वाले स्पेक्ट्रम की पुनः पूर्ति और मौजूदा मोबाइल सेवाओं को क्रमिक रूप से संवर्धित करने के लिए टीएसपी को अवसर देकर सेवाओं की निरंतरता बनाए रखने के लिए आयोजित की गई थी। सभी उपलब्ध स्पेक्ट्रम को नीलामी के लिए रखा गया और दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) द्वारा 11,340.78 करोड़ रुपये का स्पेक्ट्रम खरीदा गया। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने दिनांक 08.03.2024 को स्पेक्ट्रम नीलामी 2023-24 के लिए आवेदन आमंत्रण नोटिस (एनआईए) जारी किया था। 22 लाइसेंस सेवा क्षेत्रों (एलएसए) में 800 मेगाहट्र्ज, 900 मेगाहट्र्ज, 1800 मेगाहट्र्ज, 2100 मेगाहट्र्ज, 2300 मेगाहट्र्ज, 2500 मेगाहट्र्ज, 3300 मेगाहट्र्ज और 26 गीगाहट्र्ज स्पेक्ट्रम बैंड में उपलब्ध सभी स्पेक्ट्रम को नीलामी के लिए रखा गया था। नीलामी दिनांक 25.06.2024 को शुरू हुई और सात (7) दौर की बोली के बाद दिनांक 26.06.2024 को समाप्त हुई। दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) ने अपनी आवश्यकता के अनुसार स्पेक्ट्रम खरीदा। कुछ टीएसपी ने अपने समाप्त हो रहे स्पेक्ट्रम को नवीकृत किया और कुछ ने अपने नेटवर्क विस्तार व समेकन के लिए भी अतिरिक्त स्पेक्ट्रम प्राप्त किया। चूंकि स्पेक्ट्रम नीलामी 2023-24 से सरकारी कोष में 11,340.78 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ और सफल रहा। अत: राजस्व की क्षति का प्रश्न नहीं उठता।

(घ) कोई नहीं

(ङ) आरक्षित मूल्यों की सिफारिश करने का कार्य ट्राई को सौंपा गया है जो एक स्वतंत्र नियामक है। ट्राई हितधारकों के साथ उचित परामर्श प्रक्रिया के पश्चात आरक्षित मूल्यों की सिफारिश करता है। ट्राई ने अप्रैल, 2022 में उपलब्ध स्पेक्ट्रम बैंड्स के लिए आरक्षित मूल्य सुझाए थे और आगे सिफारिश की थी कि इन कीमतों का उपयोग 3 वर्षों की अवधि के लिए उचित सूचकांक के साथ किया जाए। इन्हीं आरक्षित मूल्यों का उपयोग स्पेक्ट्रम नीलामी 2023-24 में किया गया था। ये आरक्षित मूल्य उच्च नहीं थे और न ही बोली लगाने संबंधी सीमित रूचि थी क्योंकि सरकार को 11,340.78 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है।

******